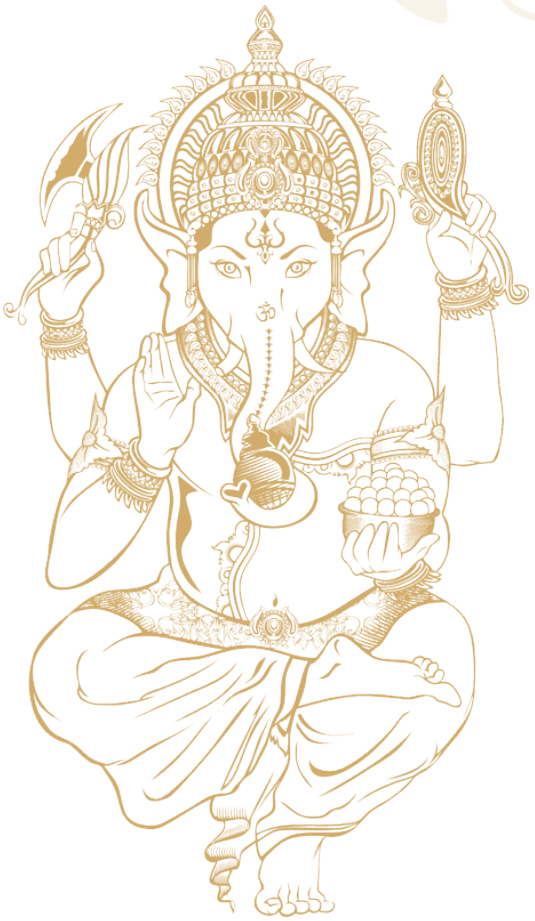

Mr.

27 Oct 2024

10:02 AM

Delhi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119849102

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
27/10/2024	जन्म तिथि	**27/10/2025**
रविवार	दिन	सोमवार
घंटे 10:02:00	जन्म समय	15:59:16 घंटे
घटी 08:49:48	जन्म समय(घटी)	23:43:23 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:30:04	सूर्योदय	06:29:54
17:39:42	सूर्यास्त	17:39:54
24:12:11	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:07

वृश्चिक	लग्न	मीन
मंगल	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
सिंह	राशि	धनु
सूर्य	राशि-स्वामी	गुरु
मघा	नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा
केतु	नक्षत्र स्वामी	शुक्र
4	चरण	1
ब्रह्म	योग	सुकर्मा
बव	करण	कौलव
मे-मेहर	जन्म नामाक्षर	भू-भूमिका
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक
क्षत्रिय	वर्ण	क्षत्रिय
वनचर	वश्य	मानव
मूषक	योनि	वानर
राक्षस	गण	मनुष्य
अन्त्य	नाड़ी	मध्य
मूषक	वर्ग	मूषक
1	गत/तत्कालिक वर्ष	2

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
ज्येष्ठा	3	24:37:55	वृश्चि		
स्वाति	2	10:02:42	तुला		
मघा	4	12:09:28	सिंह		
पुनर्वसु	4	02:50:39	कर्क		
विशाखा	2	26:19:40	तुला		
मृगशिरा	1	26:36:05	वृष	व	
ज्येष्ठा	1	17:06:50	वृश्चि		
शतभिषा	4	18:48:56	कुंभ	व	
उ०भाद्रपद	3	12:14:13	मीन		
हस्त	1	12:14:13	कन्या		
कृतिका	2	01:53:00	वृष	व	

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			मीन	06:35:59	1	उ०भाद्रपद
सूर्य			तुला	10:02:42	2	स्वाति
चंद्र			धनु	14:36:24	1	पूर्वाषाढ़ा
मंगल			वृश्चि	00:00:30	4	विशाखा
बुध			वृश्चि	03:38:03	1	अनुराधा
गुरु			कर्क	00:33:15	4	पुनर्वसु
शुक्र			कन्या	22:38:48	4	हस्त
शनि	व		मीन	01:47:59	4	पू०भाद्रपद
राहु	व		कुंभ	22:51:55	1	पू०भाद्रपद
केतु	व		सिंह	22:51:55	3	पू०फाल्गुनी
मु			धनु	24:37:55	4	पूर्वाषाढ़ा

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:07

लग्न-चलित

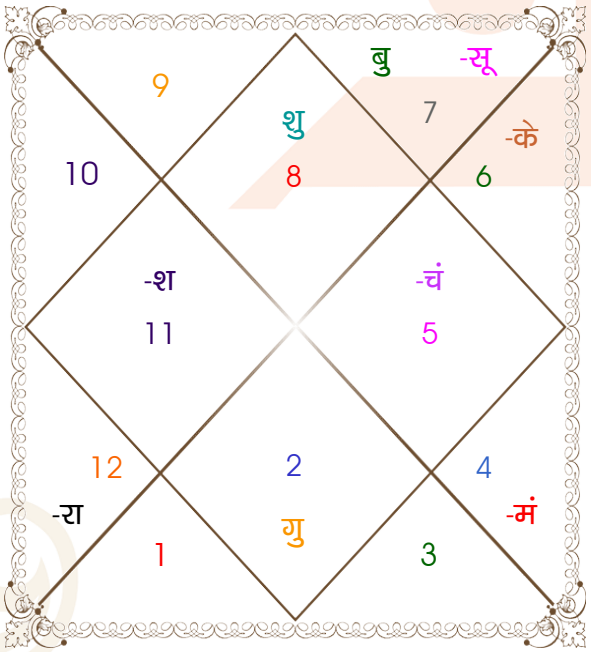

वर्ष लग्न कुंडली

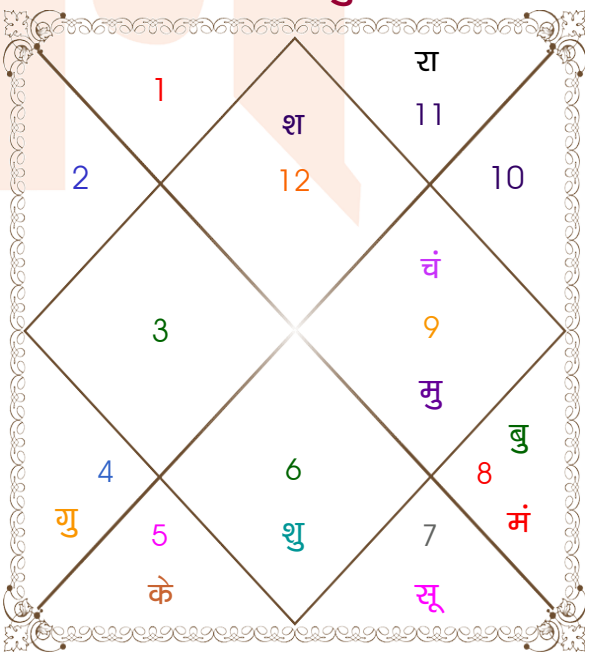

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - शुक्र - शुक्र	
09/06/2025 19:39	
29/12/2025 17:39	
शुक्र	13/07/2025 15:19
सूर्य	23/07/2025 18:49
चंद्र	09/08/2025 16:39
मंगल	21/08/2025 12:44
राहु	20/09/2025 23:14
गुरु	18/10/2025 00:34
शनि	19/11/2025 03:39
बुध	17/12/2025 21:34
केतु	29/12/2025 17:39

शुक्र - शुक्र - सूर्य	
29/12/2025 17:39	
28/02/2026 14:39	
सूर्य	01/01/2026 18:42
चंद्र	06/01/2026 20:27
मंगल	10/01/2026 09:41
राहु	19/01/2026 12:50
गुरु	27/01/2026 15:38
शनि	06/02/2026 06:57
बुध	14/02/2026 21:56
केतु	18/02/2026 11:09
शुक्र	28/02/2026 14:39

शुक्र - शुक्र - चंद्र	
28/02/2026 14:39	
10/06/2026 01:39	
चंद्र	09/03/2026 01:34
मंगल	14/03/2026 23:37
राहु	30/03/2026 04:52
गुरु	12/04/2026 17:32
शनि	28/04/2026 19:04
बुध	13/05/2026 04:02
केतु	19/05/2026 02:04
शुक्र	04/06/2026 23:54
सूर्य	10/06/2026 01:39

शुक्र - शुक्र - मंगल	
10/06/2026 01:39	
20/08/2026 02:09	
मंगल	14/06/2026 05:05
राहु	24/06/2026 20:45
गुरु	04/07/2026 08:01
शनि	15/07/2026 13:54
बुध	25/07/2026 15:22
केतु	29/07/2026 18:48
शुक्र	10/08/2026 14:53
सूर्य	14/08/2026 04:07
चंद्र	20/08/2026 02:09

शुक्र - शुक्र - राहु	
20/08/2026 02:09	
18/02/2027 17:09	
राहु	16/09/2026 11:36
गुरु	10/10/2026 20:00
शनि	08/11/2026 17:59
बुध	04/12/2026 14:54
केतु	15/12/2026 06:35
शुक्र	14/01/2027 17:05
सूर्य	23/01/2027 20:14
चंद्र	08/02/2027 01:29
मंगल	18/02/2027 17:09

शुक्र - शुक्र - गुरु	
18/02/2027 17:09	
31/07/2027 01:09	
गुरु	12/03/2027 08:37
शनि	07/04/2027 01:29
बुध	30/04/2027 01:25
केतु	09/05/2027 12:41
शुक्र	05/06/2027 14:01
सूर्य	13/06/2027 16:49
चंद्र	27/06/2027 05:29
मंगल	06/07/2027 16:45
राहु	31/07/2027 01:09

शुक्र - शुक्र - शनि	
31/07/2027 01:09	
08/02/2028 19:39	
शनि	30/08/2027 13:41
बुध	26/09/2027 21:06
केतु	08/10/2027 02:59
शुक्र	09/11/2027 06:04
सूर्य	18/11/2027 21:23
चंद्र	04/12/2027 22:56
मंगल	16/12/2027 04:49
राहु	14/01/2028 02:47
गुरु	08/02/2028 19:39

शुक्र - शुक्र - बुध	
08/02/2028 19:39	
30/07/2028 07:09	
बुध	04/03/2028 06:05
केतु	14/03/2028 07:33
शुक्र	12/04/2028 01:28
सूर्य	20/04/2028 16:27
चंद्र	05/05/2028 01:24
मंगल	15/05/2028 02:52
राहु	09/06/2028 23:48
गुरु	02/07/2028 23:44
शनि	30/07/2028 07:09

शुक्र - शुक्र - केतु	
30/07/2028 07:09	
09/10/2028 07:39	
केतु	03/08/2028 10:35
शुक्र	15/08/2028 06:40
सूर्य	18/08/2028 19:53
चंद्र	24/08/2028 17:56
मंगल	28/08/2028 21:22
राहु	08/09/2028 13:02
गुरु	18/09/2028 00:18
शनि	29/09/2028 06:11
बुध	09/10/2028 07:39

शुक्र - सूर्य - सूर्य	
09/10/2028 07:39	
27/10/2028 13:57	
सूर्य	10/10/2028 05:34
चंद्र	11/10/2028 18:06
मंगल	12/10/2028 19:40
राहु	15/10/2028 13:24
गुरु	17/10/2028 23:51
शनि	20/10/2028 21:15
बुध	23/10/2028 11:20
केतु	24/10/2028 12:54
शुक्र	27/10/2028 13:57

शुक्र - सूर्य - चंद्र	
27/10/2028 13:57	
27/11/2028 00:27	
चंद्र	30/10/2028 02:50
मंगल	31/10/2028 21:26
राहु	05/11/2028 11:01
गुरु	09/11/2028 12:25
शनि	14/11/2028 08:05
बुध	18/11/2028 15:34
केतु	20/11/2028 10:11
शुक्र	25/11/2028 11:56
सूर्य	27/11/2028 00:27

शुक्र - सूर्य - मंगल	
27/11/2028 00:27	
18/12/2028 07:48	
मंगल	28/11/2028 06:17
राहु	01/12/2028 10:59
गुरु	04/12/2028 07:10
शनि	07/12/2028 16:08
बुध	10/12/2028 16:34
केतु	11/12/2028 22:24
शुक्र	15/12/2028 11:37
सूर्य	16/12/2028 13:11
चंद्र	18/12/2028 07:48

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे एवं शत्रु पक्ष को पराजित करने में समर्थ रहेंगे। अतः चुनाव, मुकद्दमे या प्रतियोगी परीक्षाओं में इस समय आपको विशिष्ट सफलता या विजय मिल सकती है। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा तथा स्त्री एवं संतति पक्ष से आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। साथ ही आपसी संबंधों में भी मधुरता रहेगी। फलतः दाम्पत्य जीवन में भी प्रसन्नता रहेगी । मित्रों एवं बन्धुवर्ग से इस समय आप वांछित लाभ एवं सहयोग अर्जित करेंगे तथा आप भी उनकी सहायता के लिए तत्पर रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता की दृष्टि से वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा। साथ ही नवीन कार्य भी प्रारंभ हो सकता है एवं लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी। सेना अथवा पुलिस विभाग में आपको उच्च पद प्राप्त हो सकता है। इसके साथ ही समाज में आपका मान सम्मान तथा यश व्याप्त रहेगा तथा सभी लोग आपके प्रभाव तथा पराक्रम को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी फलतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा सर्वत्र सफलता अर्जित करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली रहेगा। इस समय शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा अपने सांसारिक शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे। साथ ही इनमें आपको इच्छित सफलता भी प्राप्त होगी । आप का स्वजनों के प्रति इस समय अत्यंत सद्भाव का भाव रहेगा तथा उनकी सहायता तथा भलाई करने के लिए आप यत्नशील रहेंगे। साथ ही सत्कर्मो को करने में भी आप तत्पर रहेंगे।धर्म के प्रति भी आपकी आस्था रहेगी तथा देवताओं एवं ब्राहमणों की आप नियमपूर्वक सेवा तथा पूजा करते रहेंगे। इस वर्ष में आप आवास संबधी योजनाएं बनाएंगे या आपको नवीन स्थान की प्राप्ति होगी। आर्थिक स्थिति भी इस समय आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। फलतः प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित होता रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष शुभ रहेगा। इस समय नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण प्रतिष्ठित पद की प्राप्ति होगी जिससे समाज में मान प्रतिष्ठा तथा यश में वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ एवं उन्नति के लिए वर्ष शुभ रहेगा। इस समय आपके व्यापार में विस्तार होगा अथवा किसी नवीन कार्य को आप प्रारंभ करेंगे।साथ ही आपके रूके हुए सभी कार्य पूर्ण होंगे तथा आशाओं एवं संकल्पों में भी सफलता मिलेगी।इसके अतिरिक्त संतति पक्ष से भी आपको पूर्ण खुशी मिलेगी तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी आपको प्राप्ति हो सकती है । अतः यह वर्ष आपके लिए शुभ एवं शान्ति प्रदान करने वाला रहेगा।